टाइम मशीन यूनिट 2
कार्ड - सामने

टाइम मशीन यूनिट 2
कार्ड - पीछे

याद करने की आयत

फिलिप्पियों 2:3-4 " आप दलबन्दी तथा मिथ्याभिमान से दूर रहें। हर व्यक्ति नम्रतापूर्वक दूसरों को अपने से श्रेष्ठ समझे। कोई भी केवल अपने हित का नहीं, बल्कि दूसरों के हित का भी ध्यान रखे।"

याद करने की आयत

फिलिप्पियों 4:6 " किसी बात की चिन्ता न करें। हर जरूरत में प्रार्थना करें और विनय तथा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सामने अपने निवेदन प्रस्तुत करें।."

याद करने की आयत

मारकुस 8:35 " क्योंकि जो कोई अपना प्राण सुरक्षित रखना चाहता है, वह उसे खो देगा और जो मेरे तथा शुभ-समाचार के कारण अपना प्राण खो देता है, वह उसे सुरक्षित रखेगा।."

याद करने की आयत

रोमियों 12:16 " आपस में मेल-मिलाप का भाव बनाये रखें। घमण्डी न बनें, बल्कि दीन-दु:खियों से मिलते-जुलते रहें। अपने आप को बुद्धिमान् न समझें।"

याद करने की आयत

याकूब 2:15-16 " मान लीजिए कि किसी भाई या बहिन के पास न पहनने के कपड़े हों और न दैनिक भोजन। 16यदि आप लोगों में से कोई उन से कहे, "शांति से जाइए, गरम-गरम कपड़े पहनिए और भर पेट खाइए", किन्तु वह उन्हें शरीर के लिए आवश्यक वस्तुएँ नहीं दे, तो इस से क्या लाभ?"

याद करने की आयत

रोमियों 10:11 "धर्मग्रन्थ कहता है, "जो कोई उस पर विश्वास करता है, उसे लज्जित नहीं होना पड़ेगा।"

याद करने की आयत

यशायाह 53:5 " किन्तु वह हमारे पापों के कारण घायल हुआ; वह हमारे दुष्कर्मों के कारण आहत हुआ। उसने अपने शरीर पर ताड़ना-स्वरूप मार सही, और उसकी मार से हमारा कल्याण हुआ। उसने कोड़े खाए, जिससे हम स्वस्थ हुए।"

याद करने की आयत

यशायाह 53:9 " उन्होंने दुर्जनों के मध्य उसकी कबर बनाई; एक धनवान की कबर में वह गाड़ा गया, यद्यपि उसने कोई हिंसा नहीं की थी, और न अपने मुंह से किसी को धोखा दिया था।"

याद करने की आयत

लूकस 6:27 "मैं तुम लोगों से, जो मेरी बात सुन रहे हो, यह कहता हूँ: अपने शत्रुओं से प्रेम करो। जो तुम से बैर करते हैं, उनकी भलाई करो।

याद करने की आयत

मत्ती 23:13 "ढोंगी शास्त्रियो और फरीसियो! धिक्कार है तुम्हें! तुम मनुष्यों के लिए स्वर्ग-राज्य का द्वार बन्द कर देते हो; न तो तुम स्वयं प्रवेश करते हो और न प्रवेश करने वालों को प्रवेश करने देते हो।

याद करने की आयत

इब्रानियों 11:1 " विश्वास उन बातों का पक्का निश्चय है, जिनकी हम आशा करते हैं और उन वस्तुओं के अस्तित्व के विषय में दृढ़ धारणा है, जिन्हें हम नहीं देखते।."

याद करने की आयत

प्रेरितों 1:8 "किन्तु पवित्र आत्मा तुम पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम यरूशलेम में, समस्त यहूदा और सामरी प्रदेशों में तथा पृथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होगे।"

याद करने की आयत

योहन 3:16 " "परमेश्वर ने संसार से इतना प्रेम किया कि उसने उसके लिए अपने एकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो कोई उस में विश्वास करता है, वह नष्ट न हो, बल्कि शाश्वत जीवन प्राप्त करे।."